प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर में हर्षोल्लास से मनायी गयी पंत जयंती

पंतनगर। १० सितम्बर २०१६। पंडित गोविन्द बल्लभ पंत की १२९वीं जयंती के अवसर पर पंतनगर विश्वविद्यालय के परिसर स्थित पंत पार्क में पंडित पंत की प्रतिमा पर आज प्रातः विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति, डा. जे. कुमार तथा विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, कर्मचारी व विद्यार्थियों ने माल्यार्पण किया। इसके बाद बालनिलियम स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा रामधुन एवं गांधी जी के प्रिय भजन 'वैष्णव जन तो तेने कहिए' का गायन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रपति, श्री प्रणव मुखर्जी के संदेश को अधिष्ठाता प्रौद्योगिकी, डा. एच.सी. शर्मा तथा उपराष्ट्रपति, श्री हामिद अंसारी का संदेश अधिष्ठाता, स्नातकोत्तर शिक्षा, डा. एन.एस. मूर्ति द्वारा पढ़कर सुनाया गया। प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी से प्राप्त संदेश को अधिष्ठाता मात्स्यिकी, डा. आई. जे. सिंह ने पढ़कर सुनाया तथा उत्तराखण्ड के राज्यपाल डा. कृष्ण कांत पॉल के संदेश को अधिष्ठाता, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान, डा. जी.के. सिंह, ने पढ़ा। उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री, श्री हरीश रावत का संदेश, अधिष्ठात्री, विज्ञान एवं मानविकी, डा. उमा मेलकानियां, ने पढ़ा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, वैज्ञानिक, अध्यापक एवं परिसरवासी उपस्थित थे।

अपराहन में डा. रतन सिंह सभागार में आयोजित मुख्य समारोह में कार्यवाहक कुलपति, डा. जे. कुमार ने अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों तथा अध्यापकों के साथ पं. गोविन्द बल्लभ पंत के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया। समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए डा. कुमार ने कहा कि पंडित पंत दूर-दृष्टा थे, उन्होंने भारत की कृषि पर बड़ी जनसंख्या को खाद्यान्न उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी को भांपते हुए पंतनगर में देश के प्रथम कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना की। उन्होंने विद्यार्थियों से उनके गुणों का अनुसरण करने के लिए कहा तथा शिक्षा के उन्नयन व विकास एवं कृषि की दशा सुधारने हेतु निरन्तर प्रयास करते रहने की आवश्यकता बतायी।

पंत भवन के मुख्य अभिरक्षक तथा अधिष्ठाता, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान महाविद्यालय, डा. जी.के. सिंह; अधिष्ठाता, विद्यार्थी कल्याण, डा. एस.पी. सिंह; प्राध्यापक, कीट विज्ञान एवं पंत जयंती कार्यक्रमों के सूत्रधार, डा. अजीत कुमार कर्नाटक, ने पंडित पंत के व्यक्तिव के बारे में बताते हुए उनके शिक्षा को उन्नति का मार्ग समझने, समय के प्रबंधन, सकारात्मक रूख, सत्यनिष्ठ, दृढ़निश्चयी एवं साहसी गुणों के बारे में बताया तथा युवाओं को उनके गुणों से प्रेरणा प्राप्त करने के लिए कहा।

बालनिलयम विद्यालय के छात्रा, आरती, ने पंडित पंत जी के जीवन तथा कार्यों के बारे में बताया। इस अवसर पर पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान महाविद्यालय तथा अन्य महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। पंत भवन छात्रावास द्वारा पंत जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं, यथा वाद-विवाद, निबन्ध, कविता, चित्रकारी, भारोत्तोलन, कैरम, शतरंज, टेबिल टेनिस आदि के विजेताओं को कार्यवाहक कुलपति, डा. जे. कुमार के साथ मुख्य अभिरक्षक व अन्य अतिथियों ने पुरस्कार प्रदान किये। कार्यक्रम के प्रारम्भ में छात्रावास अभिरक्षक, पंत भवन छात्रावास, डा. ओमबीर सिंह ने सभी का स्वागत किया तथा सहायक छात्रावास अभिरक्षक ने पंत जयंती समारोह में आयोजित प्रतियोगिताओं की जानकारी दी। अंत में पंत भवन सोसायटी के महासचिव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा किया गया।

चित्र सं.२: पंडित पंत की मूर्ति पर माल्यार्पण के बाद नमन करते पंतनगर विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति, डा. जे. कुमार।